भोपाल बर्ड्स ई-पत्रिका

जुलाई-अगस्त 2018

BHOPAL BIRDS
Committed to save nature

अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस

दिनाँक 30 जुलाई 2018 को अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस के अवसर पर भोपाल बड्र्स एवं वी.एन.एस ग्रुप ऑफ़ इंस्टीट्यूशन द्वारा बाघ एवं जैवविविधता संरक्षण पर युवा संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ,शिक्षकों ,वन्यप्राणी विशेषज्ञों एवं प्रकृति प्रेमियों ने हिस्सा लिया। संवाद कार्यक्रम में प्रमुख वक्ता श्री रजनीश सिंह (उप वन संरक्षक , वन्यप्राणी, वन विभाग) ने बाघ पर जानकारी देते हुए बताया कि इकोसिस्टम में बाघ का स्थान सर्वोच्च है एवं मध्य प्रदेश के बहुत से टाइगर रिज़र्व में इस प्रजाति को संरक्षित किया गया है। बाघ एवं अन्य जैवविविधता को बचाने के लिए युवा पीढ़ी को जागरूक होना होगा। इस अवसर पर उन्होंने वन विभाग द्वारा बनाई गई एक वृत्तचित्र को भी दिखाया जो मध्य प्रदेश में वन्यप्राणी संरक्षण के विभिन्न कार्यों को दर्शाती है।

इस अवसर पर भोपाल बड्र्स संस्था की विषय विशेषज्ञ डॉ संगीता राजगीर ने कहा कि बाघ एवं अन्य जैवविविधता एक दुसरे के पूरक हैं अतः दोनों का ही संरक्षण आवयश्क है। बाघ के साथ साथ अन्य जैवविविधता को भी बचाना जरूरी है। भारत विश्व की 17 मेगाडाइवर्स देशों में से एक है जिसमे विश्व का 7. 6 % स्तनपायी ,12 . 6 % पक्षी ,6 . 2 % सरीसर्प एवं 6 % फूलों क वृक्ष. पाए जाते हैं। जिसमे से 132 प्रजातियों के पौधे और वन्यप्राणी भारत में विलुप्ति की कगार पर जा चुके हैं।कार्यक्रम में प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का विषय विशेषज्ञों द्वारा समाधान किया गया।

कार्यक्रम में मो खालिक (मुख्य कार्यपालन अधिकारी , भोपाल बड्र्स), श्री विपिन धोटे , श्री एस के पांडेय , डॉ शिरीष वर्मा ,डॉ पी के सिंगौर (वी एन एस ग्रुप)प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

बीज कोष निर्माण कार्यक्रम

दिनाँक 03 अगस्त, 2018 को क्षेत्रीय प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय, भोपाल एवं भोपाल बर्ड्स संस्था के संयुक्त तत्वाधान में क्षेत्रीय प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय, भोपाल परिसर में स्कूलीय विद्यार्थियों हेतु बीज कोष निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बीज संरक्षण एवं बीजों द्वारा वृक्षारोपण करना था। इस अवसर पर 50 प्रतिभागियों ने बीजकोष निर्माण कार्यक्रम में भाग लिया। आँवला ,बाँस , करन्ज एवं जामुन आदि के बीजों का उपयोग करते हुए प्रतिभागियों ने लगभग 200 बीजकोषों का निर्माण किया।

इस अवसर पर संग्रहालय प्रभारी एवं वैज्ञानिक बी , डॉ. मनोज कुमार शर्मा वैज्ञानिक बी , श्री मानिक लाल गुप्ता एवं डॉ. संगीता राजगीर द्वारा बीज कोष रोपण संग्रहालय परिसर में किया गया। कार्यक्रम के दौरान संग्रहालय के वैज्ञानिक बी , श्री मानिक लाल गुप्ता ने बीजों के संरक्षण का महत्व बताया। इस अवसर पर भोपाल बर्ड्स संस्था से डॉ. संगीता राजगीर, श्री मो. खालिक एवं श्री अमोल अधोलिया, ईको क्लब प्रभारी, भोपाल उपस्थित थें।

स्मृति 2017

दिनाँक 11 नवंबर 2017 को भोपाल बड्र्स संस्था के संस्थापक सदस्यों ने भारत के महामहिम राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविंद जी के भोपाल प्रवास के दौरान सौजन्य भेंट की एवं संस्था द्वारा दस वर्षों में पक्षी संरक्षण की दिशा में किये गए कार्यों का विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर महामहिम राष्ट्रपति जी द्वारा संस्था के द्वारा सारस एवं गोरैया पक्षी पर किये जा रहे कार्यों की सरहाना की गई एवं भविष्य के लिये शुभकामना दी । संस्था के सदस्यों ने स्मृति चिन्ह एवं गोरैया पक्षी के कृत्रिम घोंसलें भी महामहिम को भेंट किये ।

भोपाल बर्ड्स की गतिविधियाँ समाचार पत्रों में

वन्य जीवों को बचाने युवाओं को होना होगा जागरूक

इंटरनेशनल टाइगर डे पर युवा संवाद कार्यक्रम का आयोजन

भोपाल। नवदुनिया रिपोर्टर

इंटरनेशनल टाइगर डे पर भोपाल बर्ड्स एवं वीएनएस ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन द्वारा बाघ एवं जैवविविधता संरक्षण पर युवा संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थी ,शिक्षक ,वन्यप्राणी विशेषज्ञों ने भाग लिया। संवाद कार्यक्रम में प्रमुख वक्ता रजनीश सिंह ने कहा कि इकोसिस्टम में बाघ का स्थान सर्वोच्च है एवं मध्यप्रदेश के बहुत से टाइगर रिजर्व में इसको संरक्षित किया गया है। बाघ एवं अन्य जैवविविधता को बचने के लिए युवा पीढ़ी को जागरूक होना होगा। इस मौके पर स्तनपायी, रेपटाइल्स एवं पक्षिओं की प्रजातियों की जानकारी दी गई। वन विभाग द्वारा बनाई गई एक फिल्म भी कार्यक्रम में दिखाई गई। जिसमें मध्यप्रदेश में वन्यप्राणी संरक्षण के कार्य दिखाए गए।

मिली कई जानकारियां

भोपाल बर्ड्स संस्था की विषय विशेषज्ञ डॉ. संगीता राजगीर ने कहा की बाघ के साथ-साथ अन्य जैवविविधता को भी बचाना जरूरी है। भारत विश्व की 12 मेगा डाइवर्स देशों में से एक है जिसमे विश्व का 7. 6 % स्तनपायी, 12 . 6 % पक्षी, 6 . 2 % सरीसर्प एवं 6 % फूलों के पेड़ पाए जाते हैं। 132 प्रजातियों के पौधे और वन्यप्राणी भारत में विलुप्ति की कगार पर जा चुके हैं। कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने कई प्रश्न पूछे जिनका उत्तर विषय विशेषज्ञों ने दिया।

The tiger needs to be saved if we have to protect biodiversity

Bhopal: On the occasion of *International Tiger Day* (July 29), a special *Yuva Sansad* was organised by Bhopal Birds and VNS Group of Institutions on Monday to make the participants aware of the current status of tigers at Van Vihar. Students, teachers, animal-lovers and nature-lovers took part in the event, at which Rajnish Singh, deputy forest conservator, forest department, was the main speaker. While addressing the gathering, he said, "The tiger's place is at number one in the ecosystem. Many tiger reserves in Madhya Pradesh conserve tigers. To save the tiger and biodiversity, youths must play an active role."

Rajnish Singh also spoke on various species of mammals, reptiles and birds. On this occasion, a film was screened, showing the various initiatives taken up in Madhya Pradesh to conserve wildlife.

Dr Sangeeta Rajgeer of Bhopal Birds also addressed the gathering. She said that, along with the tiger, other animals, too, needed conservationas biodiversity was not in good shape as about 132 species of plants and animals are on the verge of extinction.

इकोसिस्टम में सर्वोच्च है बाघ

भोपाल ◆ अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस के अवसर पर भोपाल बर्ड्स एवं वीएनएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन द्वारा बाघ एवं जैवविविधता संरक्षण पर युवा संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्टूडेंट्स, शिक्षकों, वन्यप्राणी विशेषज्ञों एवं प्रकृति प्रेमियों ने हिस्सा लिया। संवाद में प्रमुख वक्ता रजनीश सिंह, उप वन संरक्षक, वन्यप्राणी, वन विभाग) ने बाघ पर जानकारी देते हुए बताया की इकोसिस्टम में बाघ का स्थान सर्वोच्च है। मध्य प्रदेश के बहुत से टाइगर रिजर्व में इसको संरक्षित किया गया है। बाघ एवं अन्य जैवविविधता को बचने के लिए युवा पीढ़ी को जागरूक होना होगा। उन्होंने स्तनपायी, सरीसर्प एवं पक्षिओं की कई प्रजातियों की जानकारी भी दी। इस अवसर पर उन्होंने वन विभाग द्वारा बनाई गई एक फिल्म को भी दिखाया जो मप्र में वन्यप्राणी संरक्षण के विभिन्न कार्यों को दिखाती है। इस अवसर पर भोपाल बर्ड्स संस्था की विषय विशेषज्ञ डॉ. संगीता राजगीर ने कहा की बाघ के साथ साथ अन्य जैवविविधता को भी बचाना जरूरी है।

अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस पर युवा संवाद

ईको सिस्टम में बाघ का स्थान सर्वोच्च

जागरण सिटी रिपोर्टर : अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस के अवसर पर भोपाल बर्ड्स द्वारा बाघ एवं जैवविविधता संरक्षण पर युवा संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों, शिक्षकों ,वन्यप्राणी विशेषज्ञों एवं प्रकृति प्रेमियों ने हिस्सा लिया। संवाद कार्यक्रम में प्रमुख वक्ता रजनीश सिंह (उप वन संरक्षक, वन्यप्राणी, वन विभाग) ने बाघ पर जानकारी देते हुए बताया कि ईको सिस्टम में बाघ का स्थान सर्वोच्च है एवं मध्यप्रदेश के बहुत से टाइगर रिजर्व में इसको संरक्षित किया गया है। बाघ एवं अन्य जैवविविधता को बचाने के लिए युवा पीढ़ी को जागरूक होना होगा। श्री सिंह ने स्तनपायी, सरीसर्प एवं पक्षिओं की कई प्रजातियों की जानकारी भी दी। इस अवसर पर उन्होंने वन विभाग द्वारा बनाई गई एक फिल्म को भी दिखाया जो मध्यप्रदेश में वन्यप्राणी संरक्षण के विभिन्न कार्यों को दिखाती है।

इस अवसर पर भोपाल बर्ड्स संस्था की विषय विशेषज्ञ डॉ. संगीता राजगीर ने कहा की बाघ के साथ-साथ अन्य जैवविविधता को भी बचाना जरूरी है। 132 प्रजातियों के पौधे और वन्यप्राणी भारत में विलुप्ति की कगार पर जा चुके हैं। कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने कई

प्रश्न पूछे जिनका उत्तर विषय विशेषज्ञों ने दिया। कार्यक्रम में मो. खालिक (मुख्य कार्यपालन अधिकारी, भोपाल बर्ड्स) विपिन धोटे, एसके पांडेय, डॉ. सिरीश वर्मा, डॉ. पीके सिंगौरप्रमुख रूप से उपस्थित थे।

ACTION FOR ENVIRONMENT AT RMNH

50 school kids embed seeds in 200 mudballs

DB Post correspondent

Bhopal: The Regional Museum of Natural History in collaboration with Bhopal and Bhopal Birds, organised a seed ball preparation programme for school students on Friday. The programme aimed at conserving seeds in a soil-ball which is then planted.

50 school children prepared 200 seed balls during the programme with seeds of amla, bamboo, karanj, jamun and other useful fruit trees. In-charge of the museum, scientist-B Dr Manoj Kumar Sharma, Manik Lal Gupta and Dr Sangeeta Rajgheer planted seedballs at the museum campus.

The scientists stressed the importance of seed conservation, explaining how it is important for the environment and conservation of trees.

Why conservation is vital:

- Seeds are protected against climate change
- Seeds are protected against from natural disaster
- Seeds are conserved for research and crop diversity

भोपाल बर्ड्स कंजर्वेशन सोसाइटी

संपर्क :

मो.खालिक

संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी

9303115519

डॉ संगीता राजगीर

संस्थापक एवं सदस्य सचिव

9329990886

9424492454 : bhopalbirds.ecs bhopalbirds :www.bhopalbird.org